तु दयालु दीन हो

तु दयालु दीन हौ ,
तु दानि हौ भिखारी,
हौ प्रसिद्ध पार्टी , तु पाप पुंज हारी,

नाथ तु अनाथ को , अनाथ कौन मोसो
मो समान आरत नहीं , आरति हर तोसों,

ब्रह्म तु हौ जीव तु है , ठाकुर हौ चेरो
तात मात गुरु सखा , तु सब विधि हि तु मेरो

तोहि मोहि नाते अनेक , मानिए जो भावै
ज्यों त्यों तुलसी कृपालु , चलन - सरन पावै

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14760/title/tu-dayalu-din-ho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |